अंबर और नानी

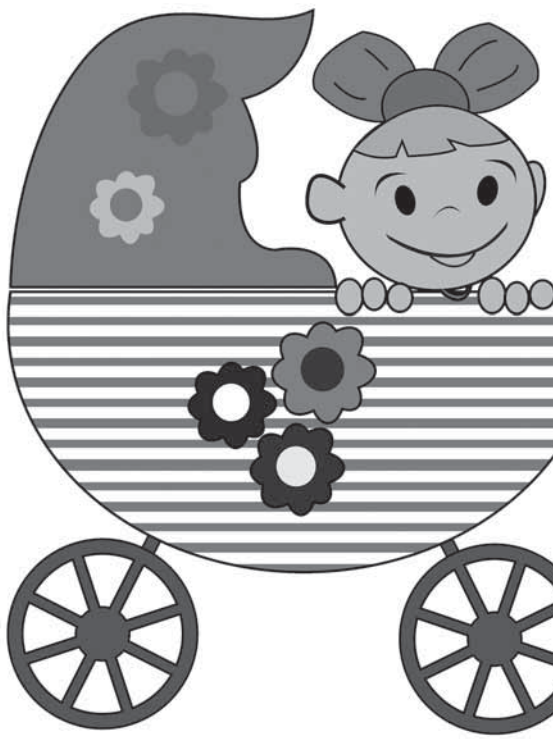

इस मास टीचर प्लस ८ -१० वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अभ्यास प्रस्तुत करता है। हिन्दी की कक्षा में प्राय: अलग-अलग स्तर के बच्चे रहते हैं - कुछ हिन्दी-भाषी, कुछ अहिन्दी-भाषी। एक ही कहानी पर आधारित ये अभ्यास दोनो तरह के बच्चों की भाषा सीखने की ज़रूरतों को ध्यान में रख कर बनाए गए हैं। इन अभ्यासों का उद्देश्य बच्चों के भाषा ज्ञान तथा बोध व चिंतन शक्ति का विकास करना है।

अंबर और नानी

स्कूल की छुट्टी होने पर अंबर को नानी लेने आती हैं। नानी सोचती हैं वे दोनों अब सीधे घर जाएँगी। पर अंबर को तो उससे पहले कई चीज़ें करनी हैं... अंबर को नीले तकियों पर फिसलना है - एक बार पहले सिर, एक बार पहले पाँव। एक बार अपने पेट के बल... और फिर एक बार... 'अब चलो भी,' नानी कहती हैं।

लेकिन अंबर अपने हाथ धोना चाहती है। साबुन का ढेर सारा झाग बनाकर। नानी बुलाती हैं, 'चलो, मैंने तुम्हारे जूते निकाल लिए हैं।' पर अंबर को नानी के जूते पहनने में ज़्यादा मज़ा आता है... 'अरे, अपनी टोपी तो पहन लो!' नानी कहती हैं। 'नहीं!' कहकर अंबर ज़मीन पर गोल-गोल लोटने लगती है। फिर अचानक अंबर अपना मन बदल लेती है - 'अच्छा'। वह अपनी रंगबिरंगी टोपी पहन लेती है, गुलाबी बुंदकियों वाले दस्ताने, प्यारी, नई, नीली गरम पोशाक, और अपने जूतों में दो-दो गाँठें लगा देती है।

नानी को लगता है कि वे सीधे घर जा रही हैं। पर अंबर अपने जन्मदिन के लिए बालू के केक बनाना चाहती है। तभी नानी धीरे से कहती हैं - 'चिकन।' अंबर कूदकर अपनी बाबागाड़ी पर चढ़ जाती है। और वे दोनों कुरकुरा चिकन खाते हुए नानी के घर पहुँच जाती हैं। सब देख सकते हैं अंबर और नानी कहाँ गई हैं। वे चिकन की हड्डियों के छोटे सफ़ेद टुकड़े सारे रास्ते, नानी के हरे दरवाज़े तक, फेंक गई हैं।

अंबर विमान की तरह उड़कर सीढ़ियों से ऊपर जाती है। एक मंज़िल, दूसरी मंज़िल, तीसरी मंज़िल, चौथी मंज़िल! नानी यहीं रहती हैं। अंबर को पता है, उसका इन्तज़ार कौन कर रहा है.... बिल्लो रानी!!! बिल्लो नानी की मेज़ पर बैठी खुद को लैम्प के नीचे सुखा रही है। जब अंबर बिस्कुट लेकर आती है तो वह बहुत ख़ुश होती है।

अब अंबर नानी के टब में नहाना चाहती है। नानी के साबुन से ढेर सारे नारंगी झाग निकलते हैं। अपने साथ वह माँ जिराफ़ और बेबी जिराफ़ को ले जाती है। पापा हाथी, बच्चू

हाथी, मम्मी ज़ेबरा और छुटकू बिल्ला भी वहाँ हैं। नहाने के बाद नानी अंबर को एक बहुत बड़े नरम-मुलायम गुलाबी तौलिए में लपेट देती हैं।

अब जल्दी है क्योंकि माँ और पापा आने ही वाले हैं। वे सात बजे खाना खाएँगे! अंबर और नानी प्लेटें लगाती हैं। आज नानी ने एक बड़ी मछली और गाजर पकाई हैं। और अचानक, घंटी बजती है - 'टींग टौंग!' अंबर को पता है कौन आया है! वह बड़ी ख़ुश है, हवा में छँलाग लगाती दरवाज़ा खोलकर कहती है, 'आहा!' वह सीढ़ियों से नीचे जाकर माँ और पापा से लिपट जाती है। अब वे एक साथ बड़ी मछली और गाजर खाएँगे!

स्रोत: अंबर और नानी, इबेन सँदेमूसे, अनुवाद: अरूंधति देवस्थले, A & A Book Trust, Gurgaon, India, 2011.

शिक्षक के लिए नोट - कक्षा में यह कहानी पढ़कर सुनाएँ। नीचे दिए अभ्यास को लिखित रूप में करवाने से पहले बच्चों के साथ सभी प्रश्नों को लेकर चर्चा कर लें

I. इन प्रश्नों के उत्तर दो।

१. अंबर को स्कूल से उसके मम्मी या पापा लेने नहीं आते। उसे कौन लेने आता है? अनुमान लगाओ, ऐसा क्यों होता होगा।

२. तुमने अंबर की कहानी पढ़ी। तुम्हारे हिसाब से अंबर कितनी बड़ी होगी? वह नर्सरी स्कूल में जाती होगी या प्राथमिक स्कूल में?

३. जहाँ अंबर रहती है वहाँ कैसा मौसम है? तुम ऐसा क्यों कह सकते हो?

४. अंबर स्कूल के बाद कहाँ जाती है? घर पर अंबर का कौन इन्तज़ार कर रहा होता है? अंबर उसे क्या देती है?

_____

_____

५. क्या अंबर घर में कोई मदद करती है? क्या और किसकी?

_____

_____

६. अंबर रात का खाना कितने बजे और किस-किस के साथ खाती है?

_____

_____

II. रंग का नाम पढ़ो। सही रंग भरो। फिर उदाहरण जैसे लिखो।

नीला

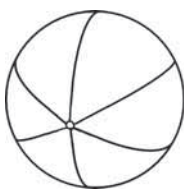

पीला

नारंगी

गुलाबी

मेरी नीली गेंद

_____ _____ _____

सुनहरा

बैंगनी

स्लेटी

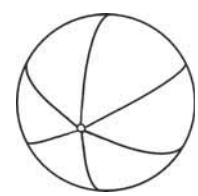

रुपहला

_____ _____ _____ _____

III. का-की-के लगाओ।

पर ध्यान रहे,

१. अगर 'जूता' पुल्लिंग शब्द है तो हम कहते हैं - अंबर(१) का जूता(२)
अगर 'नानी' स्त्रीलिंग शब्द है तो हम कहते हैं - अंबर(१) की नानी(२)
यानी 'का' या 'की', हम दूसरे शब्द के लिंग को देखते हुए चुनते हैं।

२. 'आ' से अन्त होने वाले रंगों का रूप भी उस शब्द के लिंग के अनुसार बदल जाता है। हर रंग का सही रूप चुनो।

१. अंबर _____ नीला/नीली तकिया
२. अंबर _____ रंगबिरंगा/रंगबिरंगी टोपी
३. अंबर _____ बुंदकियोंवाले/बुंदकियोंवाली दस्ताने
४. अंबर _____ नीला/नीली पोशाक
५. नानी _____ हरा/हरी दरवाज़ा

IV. 'का' - 'की' - या 'के' लगाओ और सही रंग को सही जगह लगाओ - नारंगी, गुलाबी, सफ़ेद

(इन रंगों का रूप नहीं बदलता क्योंकि ये 'आ' से अन्त नहीं होते)

१. चिकन _____ _____ हड्डियाँ
२. अंबर _____ _____ तौलिया
३. नानी के साबुन _____ _____ झाग

V. ये प्रश्न तुम्हारे बारे में हैं। इनके उत्तर लिखो

१. तुम्हारे स्कूल की पोशाक किस रंग/किन रंगों की है?
_____

२. तुम्हारे बाल किस रंग के हैं?
_____

३. तुम्हारी आँखें किस रंग की हैं?
_____

VI. अंबर बहुत सी चीज़े करना चाहती है। और उसने बहुत सी चीज़ें कीं। उदाहरण देखो और दिए गए वाक्यों को उदाहरण जैसे बदलो।

पर ध्यान रहे, किसी वाक्य में 'ने' लगता है, किसी वाक्य में नहीं।

उदाहरण -

१. अंबर अपने हाथ धोना चाहती है। - अंबर ने अपने हाथ धोए।

२. अंबर टब में नहाना चाहती है। - अंबर टब में नहाई।

१. अंबर तकियों पर फिसलना चाहती है। _____

२. अंबर बालू के केक बनाना चाहती है। _____

३. अंबर चिकन खाना चाहती है। _____

४. अंबर सीढ़ियों के ऊपर दौड़ना चाहती है। _____

५. अंबर नानी के जूते पहनना चाहती है। _____

६. अंबर सीढ़ियों से नीचे जाना चाहती है। _____

७. अंबर दरवाज़ा खोलना चाहती है। _____

८. अंबर साबुन के झाग बनाना चाहती है। _____

शिक्षक के लिए नोट - यह अभ्यास बच्चों को अकर्मक क्रिया व सकर्मक क्रिया से अवगत कराने के बाद ही करवाएँ। इसके लिए आप एक छोटा खेल खेलें - बच्चों से कहें कि आप जो क्रिया कहें बच्चे उसका अभिनय करें। अगर क्रिया का मतलब अपने आप में पूरा उभर आता है जैसे - 'आओ', 'जाओ', 'कूदो', 'दौड़ो', आदि, तो यह अकर्मक क्रिया है। और भूतकाल में अकर्मक क्रिया के साथ 'ने' नहीं लगता। अगर क्रिया के मतलब का सही अभिनय करने के लिए बच्चों को प्रश्न पूछना पड़े - क्या - तो यह सकर्मक क्रिया है, और भूतकाल में इसके साथ 'ने' लगता है। उदाहरण - आप कहिए - 'खाओ', 'पीओ', 'पढ़ो', 'लिखो' आदि। सही अभिनय करने के लिए, बच्चों को पूछना पड़ेगा - 'पर क्या खाऊँ?' 'पर क्या पीयूँ?' फिर आप कहिए, 'केला खाओ', 'गरम चाय पीओ'। और वे केला खाने का, गरम चाय पीने का अभिनय करें।

VII. नीचे प्रत्येक पंक्ति में कुछ एक जैसी चीज़ों के नाम दिए गए हैं। बताओ ये क्या हैं -

उदाहरण - माँ जिराफ़, बेबी जिराफ़, पापा हाथी, बच्चू हाथी, मम्मी ज़ेबरा और छुटकू बिल्ला - खिलौने

१. गुलाब, चंपा, गुलदावदी, चमेली, लिली _____

२. आम, तरबूज़, केला, नाशपाती, अंगूर _____

३. सलवार, कमीज़, पतलून, चुन्नी, साड़ी _____

४. साइकिल, बैलगाड़ी, विमान, मोटरगाड़ी _____

५. नीम, अमलताश, पीपल, वट, अशोक _____

६. मार्च, जुलाई, अगस्त, सितम्बर, जनवरी _____

७. चीन, जापान, इटली, नॉर्वे _____

८. १४ जनवरी, २ मार्च, ४ अप्रैल, ६ जून _____

VIII. नीचे कुछ विशेषण दिए गए हैं। वे किस संज्ञा के गुण बताते हैं? प्रत्येक संज्ञा के साथ दो-दो उचित विशेषण सही रूप में लिखो -

कुरकुरा, नरम, मुलायम, गरम, चटपटा, ताज़ा, करारा, मीठा, ठंडा

उदाहरण - नर्म-मुलायम गुलाबी तौलिया

अब अपनी आँखें बन्द करो। क्या तुम्हारे मन में अंबर के तौलिये का एक चित्र-सा उभरता है? शायद इन शब्दों की मदद से तुम अपने मन में उसका चित्र बना पाए होगे - 'नर्म-मुलायम गुलाबी'। ऐसे शब्द, जो किसी वस्तु के गुण बताते हैं, उन्हें विशेषण कहते हैं।

१. _____ _____ पराँठा

२. _____ _____ समोसा

३. _____ _____ फुल्का

४. _____ _____ मटर

५. _____ _____ लस्सी

IX. इस कहानी में आई संज्ञाओं के साथ नीचे दी चित्र-पहेली बनाई गई है। इसे पूरा करो।

याद रहे, आधे अक्षर को हलन्त लगाकर पूरे ख़ाने में लिखना। मात्रा को अक्षर के साथ जोड़कर लिखना।

उदाहरण - अगर शब्द कुत्ता है तो उसे ऐसे लिखो - कु - त् - ता

Down

1)

2)

3)

5)

6)

Across

3)

4)

7)

8) 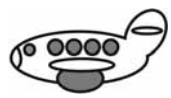

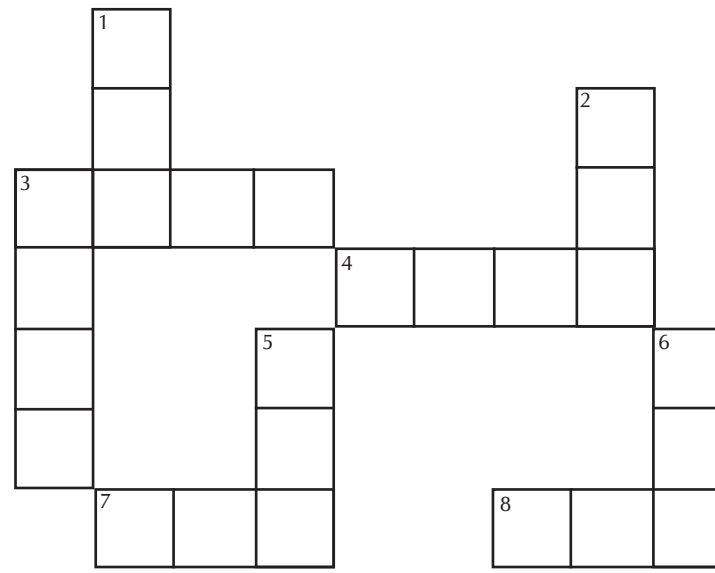

X. मूक अभिव्यक्ति (Dumb Charades) का खेल खेलो

शिक्षक के लिए नोट - इस खेल द्वारा आप बच्चों से क्रियाओं का अभ्यास करवा सकते हैं। कक्षा के बच्चों को दो या तीन गुटों में बाँट दें। प्रत्येक गुट कहानी में आई कुछ क्रियाओं को चुन लें (जैसे 'जूते पहनना')। उस गुट का एक बच्चा जूते पहनने का अभिनय करे। बाकी गुटों के बच्चे पूरा वाक्य बनाकर बतायें कि वह क्या कर रहा है। उदाहरण - वह जूते पहन रहा है। (खेल को अधिक कठिन बनाने के लिए बच्चों से भूतकाल में वाक्य बनाने को भी कहा जा सकता है, उदाहरण - उसने जूते पहने।)

Developed by Chandrika Mathur, Rishi Valley School. She can be reached at <chandrika@rishivalley.org>.